केन्द्रीय विद्यालय संगठन एरणाकुलम क्षेत्र

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

संकलित परीक्षा 11 2013 - 2014

कक्षाःदसवीं हिन्दी अधिकतम अंकः**90**

(पाठ्यक्रम 'अ') निर्धारित समय ः **3**घंटे

निर्देशः क) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–क,ख,ग, और घ।

ख)चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

ग)यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'क'

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1**×5=5

चाय के इतिहास की एक कहानी यह भी है कि लगभग पाँच हज़ार साल पहले इसकी खोज हुई। उस काल में शासन कर रहा चीन का सम्राट शेन नोंग विज्ञान प्रेमी था और प्रयोग करता था। एक दिन उसके प्याले में चाय के पत्ते उड़ते हुए आ गिरे।प्याले में रखे पानी का रंग सुनहरा भूरा हो गया।सम्राट उसे चखे बिना न रह सका ।जब चखा तो उसका स्वाद बेहद पसंद आया और इस तरह चाय की शुरुआत हुई।बाद में यह बौद्ध भिक्षुओं के माध्यम से कोरिया और जपान पहुँची। आधुनिक काल में इसे लोकप्रिय बनाने में ब्रिटानियों का बड़ा हाथ रहा।उन्होंने ही करीब **176** साल पहले इसकी खूबियों का पता कर इसे सात समंदर पार तक भिजवा दिया।पुराने समय में असम के सिंगफो समुदाय के लोग चाय का बखूबी इस्तेमाल करते थे।**1834**में सामान्य नाम दिया गया 'असम टी'।**1838** में असम की चाय इंग्लैंड की सरजमीं पर पहुँची। चाय बागानों में चाय उगाने की होड़ में अंग्रेज़ों के बाद स्कॉटिश और उद्यमी भी कूद पड़े।इसी दौरान वहाँ 'बंग्ला कल्चर'भी विकसित हुआ।अब असम में विश्व के सबसे बड़े चाय बागान हैं। दक्षिण भारत में नीलगिरि पहाडियों में चाय उगाई जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार **70%** चाय की खपत भारत में ही होती है।

1 लगभग पाँच हज़ार साल पहले चीन का सम्राट शेन नोंग विज्ञान का प्रयोग क्यों करता था ?

क)उसे विज्ञान का प्रयोग करना अच्छा लगता था ख)यदि वह प्रयोग नहीं करता तो उसका

साम्राज्य ख़तरे में पड़ जाता ग)उसकी पत्नी को विज्ञान का प्रयोग बहुत पसंद था
घ) उस समय चीन के सम्राट ऐसा ही करते थे।

2 क़िनके माध्यम से चाय कोरिया और जपान पहुँची?

क) चीन सम्राटों द्वारा ख)मज़दूरों द्वारा ग)यात्रियों द्वारा घ) बौद्ध भिक्षुओं द्वारा

3 'असम टी' सामान्य नाम क्यों दिया गया ?

क)असम के लोग चाय अधिक पीते थे ख)असम में चाय अधिक उगाई जाती है।
ग) असम को छोड़कर अन्यत्र चाय नहीं उगती घ) असम में चाय की खोज हुई।

4 दक्षिण भारत में चाय कहाँ उगाई जाती है।

क) नीलगिरि पहाडियों में ख) आंध्र प्रदेश में ग) बंगलूर में घ) राजगिरि में

5 एक रिपोर्ट के अनुसार **70%** चाय की खपत कहाँ होती है।

क)चीन में ख)भारत में ग) यूरोप में घ) जापान में

2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए–

1×5=5

कविता का उद्देश्य हमारे हृदय पर प्रभाव डालना होता है,जिसमें उसके भीतर प्रेम,आनंद,हास्य,करुणा,आश्चर्य इत्यादि अनेक भावों में से किसीका संचार हो।जिस पद्य में इस प्रकार प्रभाव डालने की शक्ति न हो,उसे कविता नहीं कह सकते।ऐसा प्रभाव उत्पन्न करने के लिए कविता पहले कुछ रूप और व्यापार हमारे मन में इस ढंग से खड़ा करती है कि हमें यह प्रतीत होने लगता है कि वे हमारे सामने उपस्थित है।जिस मानसिक शक्ति से कवि ऐसी वस्तुओं और व्यापारों की योजना करता है और हम अपने मन में उन्हें धारण करते हैं,वह कल्पना कहलाती है। इस शक्ति के बिना न तो अच्छी कविता ही हो सकती है,न उसका पूरा आनंद ही लिया जा सकता है। सृष्टि में हम देखते हैं कि भिन्न भिन्न प्रकार की वस्तुओं को देखकर हमारे मन पर भिन्न भिन्न प्रकार का प्रभाव पड़ता है।किसी सुंदर वस्तु को देखकर हम प्रफुल्ल हो जाते हैं,किसी अद्भुत वस्तु या व्यापार को देखकर आश्चर्यमग्न हो जाते हैं,किसी दुख के दारुण दृश्य को देखकर करुणा से आर्द्र हो जाते हैं। यही बात कविता में भी होती है।

1इनमें से किसका संचार कविता द्वारा पाठक के हृदय में नहीं होता है?

क) प्रेम औरआनंद ख) हास्यऔर ईर्ष्या ग) हास्य और करुणा घ) प्रेम और आश्चर्य

2 क़िसके अभाव में कविता न अच्छी होती है और न उसका आनंद लिया जा सकता है?

क) गेयता ख) सत्यता ग) तुकान्तता घ)काल्पनिकता

3 वह कौन सा गुण है, जिसके अभाव में पद्य को कविता नहीं कहा जा सकता है ?

क) गेयता ख) मधुरता ग) प्रेम,हास्य,आनंद,करुणा आदि उत्पन्न करने की क्षमता

घ) धनार्जन करने की क्षमता

4 अच्छी कविता पढ़ने पर पाठक के मन की क्या स्थिति होती है?

क) विकसित होता है ख) प्रफुल्लित होता है ग) पुष्पित होता है घ) साहसिक होता है

5 'सृष्टि' का विलोम शब्द है- क)विनाश ख) विध्वंस ग) संहार घ) क्षति

3निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1**×5=5

मन मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है
सुख स्वर्ग सा जहाँ है,वह देश कौन सा है?
जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन सा है?
मैदान -गिरिवनों में हरियालियाँ लहकतीं,
आनंदमय जहाँ है,वह देश कौन सा है?
निस्वार्थ शुद्ध प्रेमी भाई भले जहाँ थे,
लक्ष्मण भरत सरीखे, वह देश कौन सा है?

1 कविता में किसका गुणगान किया गया है?

क) हिमालय का ख) प्रकृति का ग) स्वर्ग का घ) भारत का

2 रत्नेश कहाँ स्थित है?

क) देश के मस्तक पर ख) देश के चरणों में ग) देश के मध्य में घ) देश के उत्तर में

3 हरियाली कहाँ कहाँ लहकती है ?

क) खेतों में ख) खलिहानों में ग) मैदान,पहाड़ों और वनों में घ) मैदानों में

4 भरत लक्ष्मण का उदाहरण किस प्रसंग में किया गया है?

क) निस्वार्थ नेताओं के ख)अच्छे राजाओं के ग) भले लोगों के घ) भ्रातृ प्रेमियों के

5 सुख स्वर्ग सा जहाँ है- में निहित अलंकार है- क)अनुप्रास ख) उपमा ग) यमक घ) रूपक

4 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए– **1**×5=5

कहती है सारी दुनिया जिसे किस्मत,

नाम है उसका हकीकत में मेहनत।
जो रचते हैं,खुद अपनी किस्मत,वे कहे जाते हैं ,साहसी।
जो करते हैं ईश्वर से शिकायत,वे कहे जाते हैं ,आलसी।
जो रुक गया,मिट गया उसका नामो-निशाँ,
जो चलता रहा ,अपनी मंजिल वह पा गया।
खुशी के हकदार है वही ,जिन्होंने दुख को सहा,
छोड़ के दामन फूलों का,काँटों की राह को चुना।
निराशा का अंधकार मिटाकर,आशा के दीप जलाओ,
छोड़ भाग्य की दुहाई,अपनी किस्मत स्वयं बनाओ।

1 वास्तव में किस्मत किसे कहते है?
क)मेहनत को ख) साहस को ग) सेहत को घ) रहमत को
2 साहसी लोग वे हैं,जो-
क) ईश्वर से शिकायत करते हैं ख)जो बीच में रुक जाता है
ग) जो अपनी किस्मत खुद रचते हैं घ) जो दुख को सह नहीं पाता
3 कौन खुशी का सच्चा हकदार है ?
क)भाग्य की दुहाई करने वाला ख) दुख सहने वाला
ग) सुख का अनुभव करने वाला घ) साहसी लोग
4 कौन मंजिल पा लेता है?
क)बाधाओं को पार कर आगे चलनेवाला ख) बीच में रुकनेवाला
ग) फूलों के रास्ते पर चलनेवाला घ) किस्मत पर भरोसा रखनेवाला
5 आलसी लोगों का क्या लक्षण बताया गया है?
क)अपनी किस्मत स्वयं बनाते हैं ख)दुख सहते हैं
ग) बाधाओं की परवाह नहीं करते घ)ईश्वर से शिकायत करते हैं

खंड 'ख'

5 रेखांकित शब्दों के पद परिचय दीजिए- **5**

क) अरे !आप तो यहाँ बैठे हैं।
ख) हम अपने देश पर मर मिटेंगे।
ग) वह कौन है जो अपने पिता का सम्मान नहीं करता।

घ) मैं कल वहाँ ज़रूर जाऊँगा।

ङ) बालक सो रहे थे।

6 निर्देशानुसार उत्तर लिखिए– **5**

क) पिताजी ने मुझे पढ़ाकर सेना में भर्ती कराया। (संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

ख) गोपियों ने कृष्ण से उन्हें भी साथ ले चलने के लिए कहा। (मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

ग) यदि परिश्रम करोगे तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। (सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

घ) जो समय काम करते हैं,उन्हें पछताना नहीं पड़ता। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद लिखिए)

ङ)मुझे विश्वास है कि आप मेरा साथ देंगे। (प्रधान उपवाक्य छाँटिए)

7 निर्देशानुसार वाच्य–परिवर्तन कीजिए– **5**

क) राम ने जन्मदिन पर उपहार प्राप्त किया। (कर्मवाच्य में)

ख) बच्चों द्वारा सवेरे उठकर विद्यालय जाया जाता है। (कर्तृवाच्य में)

ग) मैं अब खेल नहीं सकता। (भाववाच्य में)

घ) वाच्य परिवर्तित कर परिवर्तित वाच्य का भेद भी लिखिए–

1 कबूतर पंख फडफड़ा रहे हैं।

2 यह काम मुझसे नहीं हो सकता।

8 अलंकार पहचानिए– **5**

क) बीती विभावरी जाग री। अंबर पनघट में डुबो रही तारा घट उषा नागरी ।

ख)वह कबूतर सी चुनरिया,जब लहरा जाती गगन में।

ग) प्रगति सुमति गति गुंजित कलरव ,जगे राष्ट्र नूतन नित अभिनव।

घ) हँसते– हँसते चल देते पथ पर ऐसे ,मानो भास्वर भाव वहीं हो कविता के।

ङ) रती–रती शोभा सब रती के शरीर की।

खंड 'ग'

9 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1×5=5

शहनाई के इसी मंगल ध्वनि के गायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं।सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है।लाखों सजदे इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सजदे में गिडगिडाते हैं 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे।सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती

की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।'

1 शहनाई के मंगल ध्वनि के गायक है-

क) शंसुद्दीन ख)अलीबख्श खान ग) बिस्मिल्ला खाँ घ) अमजद अली खान

2 पाँचों वक्त वाली नमाज़ में क्या पाने की प्रार्थना करते थे?

क) धन-वैभव ख) नाम-प्रतिष्ठा ग) परिवार की भलाई घ) सच्चा सुर

3 सच्चे सुर का श्रोताओं पर क्या प्रभाव हो?

क) वे मुग्ध हो जाएँ ख) वे हमेशा बिस्मिल्ला खाँ को याद करें

ग) आँखों से मोती जैसे अनगढ़ आँसू निकल आएँ घ)वे बिस्मिल्ला खाँ की प्रशंसा करें

4 गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन सी विशेषता ठीक नहीं बैठती?

क) वे अत्यधिक विनम्र थे ख) वे नाम और प्रतिष्ठा चाहते थे

ग)वे सच्चे धर्मावलंबी थे घ) वे रियाज़ को महत्व देते थे

5 'इबादत'शब्द का अर्थ है- क)प्रार्थना ख)विनम्रता ग) उपासना घ) ईश्वर की देन

अथवा

मान लीजिए कि पुराने ज़माने में भारत की एक भी स्त्री पढी लिखी न थी।न सही।उस समय स्त्रियों को पढ़ाने की ज़रूरत न समझी गई होगी।पर अब तो है।अतएव पढ़ाना चाहिए।हमने सैकडों पुराने नियमों,आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं?तो चलिए, स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें।हमारी प्रार्थना तो यह है कि स्त्री शिक्षा के विरोधियों को क्षण भर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने ज़माने में यहाँ की सारी स्त्रियाँ अपढ़ थीं अथवा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी।

1 पुराने ज़माने में भारत की स्त्रियों की दशा कैसी थी?

क) स्त्रियाँ शैक्षिक रूप से पिछडी थी ख) स्त्रियाँ समाज में सम्माननीय नहीं थी

ग) स्त्रियाँ शैक्षिक रूप से आगे थी घ) स्त्रियाँ सामाजिक रूप से सुदृढ़ थी

2 वर्तमान काल में स्त्रियों को पढ़ाना ज़रूरीक्यों माना गया है?

क) वर्तमान में शिक्षा प्राप्ति के साधन बेहत्तर हैं ख)वर्तमान में विद्यालयों की संख्या बढ़ गई है

ग) समाज की उन्नति के लिए स्त्रियों को शिक्षा देना अनिवार्य है

घ) प्राचीन काल में स्त्रियाँ शिक्षित नहीं थी

3 पुराने नियमों,आदेशों और प्रणालियों को तोड़ना कब और क्यों आवश्यक हो जाता है?

क) जब वे समाज की प्रगति में बाधक बनन लगें ख) जब वे अत्यंत प्राचीन हो जाएँ

ग) जब अधिकांश लोग उसे स्वीकृत न करें घ)जब नई रूढ़ियाँ व परंपराएँ प्रचलन में आएँ

4 गद्यांश में किस पुरानी प्रथा को तोडने का आह्वान किया गया है?

क) स्त्रियों को पढ़ाने की ख) स्त्रियों को न पढ़ाने की

ग) पुरुषों को पढ़ाने की घ) समाज में स्त्रियों को महत्व देने की

5 लेखक द्वारा स्त्री शिक्षा के विरोधियों से की गई प्रार्थना का कारण क्या है?

क) हमें वर्तमान में जीना चाहिए ख) अतीत में कोई सच्चाई नहीं

ग) कल्पना करने मात्र से कुछ नहीं होता घ) उनकी कल्पना का कोई औचित्य नहीं

10 महानगरीय संस्कृति का 'पडोस कल्चर'पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए।इस कल्चर के दुष्परिणामों को किस प्रकार नियंत्रित किया जा सकता है? **4**

11 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए- 2×3=6

क)संस्कृति पाठ के आधार पर 'सभ्यता' और 'संस्कृति' शब्द की परिभाषा दीजिए।

ख) स्त्रियों की शिक्षा का विरोध समाज के प्रति एक गंभीर अपराध है-स्पष्ट कीजिए।

ग) 'फटा सुर न बख्शें ।लुंगिया का क्या है,आज फटी है तो कल सिल जाएगी'-आशय स्पष्ट कीजिए।

12 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 1×5=5

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन है स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

क) माँ बेटी को अपने चेहरे पर रीझने से क्यों मना कर रही है ? **2**

ख) वस्त्र और आभूषण को शाब्दिक भ्रम क्यों कहा गया है ? **1**

ग) आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं - इस पंक्ति में समाज की किस बुराई की ओर संकेत है ? **1**

घ) लड़की जैसी दिखाई मत देना- में निहित सांकेतिक अर्थ क्या है ? **1**

अथवा

नाथ संभु धनु भंजनिहारा।होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही।सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवक सो जो करै सेवकाई।अरि करनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा।सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा ।न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनि वचन लखन मुसुकाने।बोले परसु धरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कोहि गोसाई।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू।सुनि रिसाइ कह भृगुकुल केतु।।
रे नृप बालक काल बस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारि धनु विदित सकल संसार।

क)परशु राम के क्रोधित होने पर राम ने क्या कहा? **1**

ख) राम के वचन सुनकर परशु राम ने क्रोधित होकर क्या कहा? **1**

ग) परशु राम किसको सेवक मानते थे? **1**

घ)लक्ष्मण की किस बात पर परशुराम को क्रोध आ गया? **1**

ङ)'सहसबाहु सम सो रिपु मोरा'-में कौन सा अलंकार है? **1**

13 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए- 2×5=10

क) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है'का आशय स्पष्ट कीजिए।

ख) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या क्या विशेषताएँ बताइए।

ग) संगतकार की भूमिका का महत्व कब सामने आता है और किस प्रकार?

घ) परशुराम ने अपने बारे में गर्वोक्ति करते हुए क्या क्या कहा?

ङ) संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहता है?

14 देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं?हमारा उनके प्रति क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए? 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए। **4**

अथवा

दुलारी और टुन्नू के प्रेम के पीछे उनका कलाकार मन और उनकी कला थी।यह प्रेम दुलारी को देश प्रेम तक कैसे पहुँचाता है?

15 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×3=6

क) गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया है?

ख) लेखक ने अपने आपको विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?

ग) कठोर हृदयी समझी जानेवाली दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर क्यों विचलित हो उठी?

घ) लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है-क्यों?

खंड 'घ'

16 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों पर अनुच्छेद लिखिए। 5

1 विपत्ति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत

संकेतबिंदु– अभिप्राय ,अच्छे मित्र की पहचान ,गुण ,उपसंहार ।

2 साँच बराबर तप नहीं

संकेतबिंदु– सूक्ति का स्पष्टीकरण ,सत्य का पालन कठिन ,सच्चाई की महत्ता ,जीवन में सत्य का महत्व

3 राष्ट्रीय एकता

संकेतबिंदु– राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता ,धर्मनिरपेक्षता तथा राष्ट्रीय एकता का संबंध , राष्ट्रीय एकता की राह में बाधाएँ।

17 वर्तमान में राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त करते हुए नवभारत टाइम्स के संपादक को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

आपके मित्र ने बोर्ड की परीक्षा में अपने विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं।उसे एक बधाई पत्र लिखिए।